No. of Printed Pages : 2

BSKE-142

बी. ए. सामान्य (बी. ए. जी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
बी.एस.के.ई.-142 : रंगमंच और नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्नपत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 15 = 60$

1. विकृस्त और चतुरस्त नाट्यगृह का विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. नाट्यगृह के ज्येष्ठ, मध्यम और अवर भेदों का वर्णन कीजिए।
3. पठित अंश के आधार पर नाट्यगृह निर्माण विधि का वर्णन कीजिए।
4. नाटक के भेदक तत्व के रूप में नायक का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. कथावस्तु के भेदों का लक्षणोदाहरण सहित विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. सिद्ध कीजिए कि "वस्तु, नेता और रस ये तीनों नाटक के भेदक तत्व हैं"।
7. नाट्य की उत्पत्ति तथा विकास का वर्णन कीजिए।
8. विभिन्न आचार्यों के आधार पर नाट्य की परिभाषा और भेदों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. काष्ठविधि और भित्तिकर्म का वर्णन कीजिए।
2. विश्वनाथ तथा अन्य आचार्यों के अनुसार नाट्य के स्वरूप का क्या वर्णन किया गया है ? उल्लेख कीजिए।
3. आकाशभाषित और जनान्तिक का वर्णन कीजिए।
4. नाटक के किन्हीं **चार** भेदों का लक्षणोदाहरणपूर्वक वर्णन कीजिए।
5. रस किसे कहते हैं ? स्थायीभावों का वर्णन कीजिए।
6. कार्यावस्थाओं का लक्षण सहित वर्णन कीजिए।
7. अथप्रकृतियों पर टिप्पणी लिखिए।
8. आधुनिक संस्कृत रंगमंच का अपने शब्दों में उल्लेख कीजिए।